उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
श्रद्धावांल्लभते ज्ञानम्

न्यूज़लेटर

अगस्त, 2026

द्वितीय अंक

विश्वविद्यालय की उपलब्धियां, नवाचार एवं शैक्षणिक गतिविधियों का मासिक प्रकाशन

इस अंक में विश्वविद्यालय की अगस्त 2026 की प्रमुख शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण समाचारों का संकलन प्रस्तुत किया गया है।

1800 180 4025
www.uou.ac.in

कुलपति की कलम से

जन-जन तक संवाद! ज्ञान, नवाचार की अंतराष्ट्रीय पहुंच!

प्रिय शिक्षार्थियों, शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार,

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लिए अगस्त 2026 उपलब्धियों और नई पहल का महत्वपूर्ण महीना रहा। इस दौरान हमने शिक्षा की पहुँच, गुणवत्ता, शोध, नवाचार और शिक्षार्थी-केंद्रित संवाद को अपनी प्राथमिकताओं के रूप में आगे बढ़ाया।

हमारे लिए सबसे उल्लेखनीय पहल 'मुक्त ज्ञान कोष' का लोकार्पण रहा। लोकभवन में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) द्वारा लोकार्पित यह डिजिटल मंच विश्वविद्यालय की ई-पुस्तकों, अध्ययन सामग्री, शोध-पत्रों, शोध-प्रबंधों और अन्य शैक्षणिक संसाधनों को एक स्थान पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य है कि ज्ञान भौगोलिक सीमाओं से मुक्त होकर प्रत्येक शिक्षार्थी तक पहुँचे।

इसी सोच को 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' अभियान के माध्यम से विस्तार मिला। विश्वविद्यालय की टीम नेपाल के महेन्द्रनगर, कंचनपुर तक पहुँची और विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों एवं प्रवेश अवसरों की जानकारी दी। यह पहल शिक्षा के साथ-साथ भारत-नेपाल के बीच अकादमिक संवाद को भी मजबूत करने वाली रही।

शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय शोध कार्यशाला में शोध की गुणवत्ता, सामाजिक प्रासंगिकता, अंतर्विषयकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर विशेष चर्चा हुई। साथ ही शोध परिणामों को समाज के लिए उपयोगी बनाने तथा शोध को प्रोत्साहित करने की दिशा में नई पहल की गई।

विश्वविद्यालय ने 'सूचना, संवाद और समाधान' जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षार्थियों से सीधे संवाद की परंपरा को भी मजबूत किया। प्रवेश, परीक्षा, अध्ययन सामग्री, अध्ययन केंद्र, प्लेसमेंट और शोध से जुड़े अनेक प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधान किया। हमारा स्पष्ट विश्वास है कि पारदर्शिता और संवाद ही किसी भी उत्कृष्ट विश्वविद्यालय की आधारशिला हैं।

इसके साथ राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह, स्वतंत्रता दिवस, 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष, खेलकूद गतिविधियों और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का प्रयास किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित प्रतियोगिताओं ने स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा दिया।

इन सभी गतिविधियों को मैं अलग-अलग आयोजनों के रूप में नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय के व्यापक लक्ष्य के हिस्से के रूप में देखता हूँ—सुलभ शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन, उपयोगी शोध, तकनीकी नवाचार और शिक्षार्थियों के साथ निरंतर संवाद।

हमारा संकल्प है कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ऐसा संस्थान बने जो तकनीक से आधुनिक, ज्ञान परंपरा से जुड़ा, शोध में उत्कृष्ट और समाज के प्रति संवेदनशील हो।

ज्ञान की यात्रा निरंतर है और हमारा विश्वविद्यालय इस यात्रा को हर उस व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो सीखना, आगे बढ़ना और समाज के निर्माण में योगदान देना चाहता है।
सादर,

प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी
कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

‘मुक्त ज्ञान कोष’ का लोकार्पण, दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विकसित डिजिटल शैक्षणिक मंच ‘मुक्त ज्ञान कोष’ का लोकार्पण माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने लोक भवन में किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी एवं टीम को पहल के लिए बधाई देते हुए इसे ज्ञान को समाज की शक्ति और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

‘मुक्त ज्ञान कोष’ में विश्वविद्यालय की ई-पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री के साथ शिक्षकों के शोध कार्य, शोध-पत्र, शोध डेटा, शोध प्रबंध तथा अन्य शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। मंच के माध्यम से देश-विदेश के मुक्त एवं विश्वसनीय शैक्षणिक संसाधनों तक भी पहुंच बनाई जा सकेगी, जिससे शिक्षार्थी, शिक्षक एवं शोधार्थी अध्ययन और शोध के लिए सामग्री एक ही डिजिटल मंच पर प्राप्त कर सकेंगे। राज्यपाल ने उत्तराखण्ड की भौगोलिक परिस्थितियों के संदर्भ में मंच की उपयोगिता रेखांकित करते हुए कहा कि दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों के शिक्षार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री पहुंचाना समान शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भौगोलिक दूरी ज्ञान की पहुंच में बाधा नहीं बननी चाहिए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी सहित विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विभिन्न विद्यालयों के निदेशक उपस्थित रहे। ‘मुक्त ज्ञान कोष’ को विश्वविद्यालय की डिजिटल शिक्षा एवं ज्ञान-साझाकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में विकसित किया गया है।

उच्च शिक्षा आपके द्वार' अभियान : नेपाल तक पहुंची यूओयू की शैक्षणिक पहल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' अभियान के अंतर्गत 17 से 21 अगस्त 2026 तक नेपाल के महेंद्रनगर, कंचनपुर में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य नेपाल के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के अवसरों से परिचित कराना रहा। अभियान के दौरान टीम ने

सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय, विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों से संवाद किया। प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, परीक्षा व्यवस्था, अध्ययन केंद्र तथा Multiple Entry-Multiple Exit सहित विभिन्न शैक्षणिक पहलुओं की जानकारी साझा की गई। विभिन्न संस्थानों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों से संवाद हुआ, जिसमें लिटिल बुद्ध सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में 500 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों तथा अन्य संस्थानों में भी सैकड़ों विद्यार्थियों ने सहभागिता की

अभियान का एक प्रमुख आकर्षण शुक्लाफाटा एफ.एम. सामुदायिक रेडियो पर विश्वविद्यालय की सामुदायिक रेडियो आरजे लता के.सी. का लाइव टॉक रहा, जिसके माध्यम से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं अवसरों की जानकारी व्यापक श्रोता वर्ग तक पहुंची। कार्यक्रम को करीब 55 हजार श्रोताओं ने सुना। अभियान के दौरान होटल ओपेरा, महेंद्रनगर में प्रेस कांफ्रेंस भी आयोजित की गई, जिसे कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने ऑनलाइन संबोधित किया। अभियान के प्रथम दिन नेपाल रवाना होने से पूर्व टीम ने सितारगंज एवं खटीमा स्थित

विश्वविद्यालयीय परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण भी किया, जहां परीक्षाएं सुव्यवस्थित रूप से संचालित पाई गईं। अभियान में डॉ. सुमित प्रसाद, डॉ. दीप प्रकाश, श्रीमती रेखा बिष्ट एवं श्रीमती लता के.सी. ने सक्रिय सहभागिता की। इस पहल से नेपाल में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की शैक्षणिक पहुंच का विस्तार हुआ तथा भारत-नेपाल के बीच शिक्षा के क्षेत्र में संवाद एवं सहयोग को नई दिशा मिली।

गृह विज्ञान विभाग की कार्यशाला का सफल आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। समापन अवसर पर कुलपति ने कार्यशाला का निरीक्षण कर शिक्षार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न रंगाई-छपाई उत्पादों, वस्त्रों, खाद्य पदार्थों और अन्य गतिविधियों का अवलोकन किया तथा उनके प्रयासों और रचनात्मकता की सराहना की। उन्होंने शिक्षार्थियों को निरंतर कौशल विकास एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. मंजरी अग्रवाल ने भी कार्यशाला को, शिक्षार्थियों के व्यक्तित्व विकास और व्यावहारिक दक्षताओं को सुदृढ़ करने वाली महत्वपूर्ण पहल बताया। विषय विशेषज्ञ प्रो. लता पांडे एवं डॉ. निवेदिता अवस्थी ने शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए गृह विज्ञान को जीवनोपयोगी कौशल, उद्यमिता, पोषण, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता से जुड़ा कौशल-आधारित विषय बताया।

कार्यशाला में शिक्षार्थियों ने उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों ने उनके प्रदर्शन तथा गृह विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला के आयोजन में विभाग के संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के तहत नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी की एंटी ड्रग सेल द्वारा राज्यपाल सचिवालय, उत्तराखण्ड तथा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से संचालित 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति जागरूकता एवं सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नशामुक्त रहने तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण एवं अवलोकन से हुई। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

एंटी ड्रग सेल के प्रभारी डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को योग, खेल और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एंटी ड्रग सेल के सदस्यों तथा योग विभाग के अध्यापकों एवं प्रशिक्षकों ने भी सक्रिय सहभागिता की। अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त उत्तराखण्ड एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की सामूहिक शपथ ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता पर विशेष व्याख्यान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA) द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के पूर्व कुलपति प्रो. एन. सी. गौतम ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा, कौशल विकास और अकादमिक गुणवत्ता को उच्च शिक्षा की प्राथमिकता बताया।

प्रो. गौतम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख प्रावधानों के संदर्भ में बहुविषयक एवं कौशल-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उद्योग और अकादमिक जगत के बीच मजबूत संवाद, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के विस्तार, क्रेडिट आधारित अध्ययन तथा पाठ्यक्रमों के निरंतर उन्नयन की आवश्यकता रेखांकित की। साथ ही, विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं पाठ्यक्रम संबंधी सूचनाओं को अधिक शिक्षार्थी-अनुकूल बनाने के सुझाव दिए।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने विश्वविद्यालय में गुणवत्ता सुधार के निरंतर प्रयासों और पाठ्यक्रमों में कौशल विकास को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का संयोजन CIQA के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने किया तथा निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान के उपरांत प्रो. गौतम ने कुलपति एवं शिक्षकों के साथ परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास का संदेश दिया।

यूओयू की 46वीं कार्य परिषद की बैठक सम्पन्न

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की 46वीं कार्य परिषद की बैठक कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अतिथि गृह में सम्पन्न हुई। बैठक में पिछली कार्य परिषद की बैठक के कार्यवृत्त एवं कार्यवाही के अनुमोदन के साथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं संस्थागत विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्य परिषद ने शैक्षणिक पदों की चयन प्रक्रिया, नए अध्ययन एवं विशेष अध्ययन केंद्रों की स्थापना, व्यक्तिगत छात्रवृत्ति योजना, अस्थायी आधार पर सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति, सामुदायिक रेडियो अनुभाग में कार्मिक चयन, पुनर्नियोजन तथा केंद्रीय मूल्यांकन के मानदेय निर्धारण सहित विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई। बैठक में 35वीं एवं 36वीं विद्या परिषद की संस्तुतियों पर भी विचार किया गया। इनमें नए शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों का विकास, विनियमों में संशोधन, शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों का सुदृढ़ीकरण, परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था में सुधार तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अकादमिक सुधार शामिल रहे। बैठक में कार्य परिषद के बाह्य एवं नामित सदस्यों ने ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से सहभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक, विभिन्न विद्याशाखा के निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में प्रतिभाग किया। कार्य परिषद के निर्णयों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण एवं संस्थागत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया।

उद्योग–शिक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श आयोजित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के उद्योग–अकादमिक प्रकोष्ठ द्वारा 'उद्योग–शिक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाने में उद्योगों की भूमिका' विषय पर विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग जगत और उच्च शिक्षा के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर शिक्षार्थियों को रोजगारोन्मुख एवं कौशल-आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने के उपायों पर चर्चा करना था। मुख्य वक्ता श्री नीरज शारदा, शारदा एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, हल्द्वानी ने बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम विकास, कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट और व्यावहारिक अनुभव को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने उद्योग–अकादमिक सहयोग को नवाचार, अनुसंधान, उद्यमिता एवं स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने की आवश्यकता भी रेखांकित की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की। उन्होंने शिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने तथा उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करने में उद्योग–अकादमिक साझेदारी को विश्वविद्यालय की प्राथमिकता बताया। निदेशक अकादमिक प्रो. पी. डी. पंत ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रो. मंजरी अग्रवाल ने इसकी कार्ययोजना एवं भावी गतिविधियों की जानकारी दी। सत्र में नियमित संवाद, विशेषज्ञ व्याख्यान, औद्योगिक भ्रमण, संयुक्त अनुसंधान, कौशल विकास कार्यक्रम, इंटर्नशिप एवं उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापनों को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं विभिन्न संकायों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की।

एमएजेएमसी पाठ्यक्रम में प्राचीन भारतीय संचार व्यवस्था और एआई आधारित मीडिया को मिली जगह

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा की अध्ययन बोर्ड (BOS) की बैठक में एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (MAJMC) कार्यक्रम की पाठ्य संरचना के व्यापक पुनर्गठन पर विचार किया गया। बैठक की अध्यक्षता निदेशक प्रो. राकेश चन्द्र रयाल ने की। पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, समकालीन मीडिया परिदृश्य और उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप अद्यतन करने की संस्तुति की गई। पुनर्गठित 80-क्रेडिट कार्यक्रम में डिजिटल पत्रकारिता, नई संचार तकनीक, साइबर मीडिया, मीडिया कानून एवं नैतिकता, समकालीन पत्रकारिता, मीडिया अनुसंधान और व्यावहारिक प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी स्थान दिया गया। चौथे सेमेस्टर में 'प्राचीन भारतीय संचार व्यवस्था' और 'एआई और मीडिया' जैसे नए पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इससे शिक्षार्थियों को भारतीय संचार परंपरा के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आधुनिक मीडिया तकनीकों को समझने का अवसर मिलेगा।

बैठक में विशेषज्ञों ने नई पाठ्य संरचना को भविष्य उन्मुख एवं रोजगारपरक बताया। अध्ययन सामग्री लेखन के लिए विषय विशेषज्ञों के नामों पर भी विचार किया गया। बाह्य विशेषज्ञों ने ऑनलाइन सहभागिता की। प्रो. राकेश चन्द्र रयाल ने कहा कि नया पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा और अत्याधुनिक तकनीकों, दोनों से परिचित कराते हुए भविष्य की मीडिया चुनौतियों के लिए तैयार करेगा।

'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष: राष्ट्रचेतना, रचनात्मकता और युवा सहभागिता का उत्सव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 से 15 अगस्त 2026 तक विविध शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। इस पहल का उद्देश्य शिक्षार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार को 'वन्दे मातरम्' के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व से परिचित कराने के साथ राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रमों की शुरुआत 7 अगस्त को 'वन्दे मातरम्' के सामूहिक गायन से हुई, जिसमें 150 से अधिक शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने 'वन्दे मातरम्' को स्वतंत्रता चेतना, त्याग, आत्मगौरव और मातृभूमि के प्रति समर्पण का सशक्त प्रतीक बताते हुए विश्वविद्यालय परिवार से राष्ट्रीय मूल्यों से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। निदेशक अकादमिक प्रो. पी. डी. पंत ने भी राष्ट्रप्रेम एवं भारतीय संस्कृति के मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने पर बल दिया।

आयोजन श्रृंखला के अंतर्गत सामान्य ज्ञान एवं क्विज प्रतियोगिताओं के माध्यम से 'वन्दे मातरम्' के इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका से संबंधित जानकारी को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में शिक्षार्थियों ने राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रचेतना से जुड़े अपने विचार व्यक्त किए, जबकि गायन प्रतियोगिता में देशभक्ति की भावना को सांगीतिक अभिव्यक्ति दी गई।

चित्रकला एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने 'वन्दे मातरम्', राष्ट्रीय एकता, स्वतंत्रता और भारतीय संस्कृति से प्रेरित रचनात्मक प्रस्तुतियाँ दीं। विशेष रूप से मेहंदी प्रतियोगिता में शिक्षार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने आकर्षक एवं मौलिक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विभिन्न गतिविधियों ने विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रप्रेम, सांस्कृतिक चेतना और रचनात्मक सहभागिता का वातावरण निर्मित किया।

शिक्षार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को सामूहिक राष्ट्रीय स्मरण और अभिव्यक्ति का रूप दिया। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को 15 अगस्त को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

जुलाई 2026 सत्र में ऑनलाइन प्रवेश की अंतिम तिथि 21 सितंबर तक विस्तारित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी ने अकादमिक सत्र जुलाई 2026 में ऑनलाइन प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 21 सितंबर 2026 कर दी है। इसके तहत इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों में निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन प्रवेश ले सकेंगे।

विश्वविद्यालय ने सभी अध्ययन केंद्रों, क्षेत्रीय केंद्रों एवं संबंधित विद्याशाखाओं को प्रवेश तिथि विस्तार की जानकारी अधिक से अधिक शिक्षार्थियों तक पहुंचाने तथा प्रवेश प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, अगले सेमेस्टर अथवा अगले वर्ष में प्रवेश लेने वाले वर्तमान शिक्षार्थियों को समय पर पुनः प्रवेश की प्रक्रिया पूरी करने के लिए सूचित करने को कहा गया है।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने अध्ययन केंद्रों से प्रवेश तिथि का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए शिक्षार्थियों को आवश्यक सहयोग देने का आह्वान किया, ताकि कोई भी पात्र शिक्षार्थी प्रवेश से वंचित न रहे। यह जानकारी प्रवेश प्रभारी डॉ. सुमित प्रसाद ने दी।

राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर पुस्तकालयों की बदलती भूमिका पर कार्यक्रम आयोजित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्यालय द्वारा 12 अगस्त 2026 को पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने दीप प्रज्वलन एवं डॉ. रंगनाथन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण किया गया।

विद्यालय के निदेशक प्रो. अरविंद भट्ट ने डॉ. रंगनाथन के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए पुस्तकालयों को शिक्षा, अनुसंधान, ज्ञान-सृजन एवं बौद्धिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बताया। कार्यक्रम समन्वयक सुश्री प्रीति शर्मा ने पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका को 'शिक्षकों के शिक्षक' के रूप में रेखांकित किया तथा डॉ. रंगनाथन के योगदान पर अपनी स्वरचित कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंतर्गत 'Library Thought Wall – What Do You Think About the Library?'

गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने पुस्तकालयों के प्रति अपने विचार और अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन Library & Information Science Quiz का आयोजन किया गया, जिसमें 80 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। आयोजन ने पठन संस्कृति, ज्ञान-साझाकरण, अनुसंधान एवं आजीवन अधिगम को बढ़ावा देने में पुस्तकालयों की निरंतर विकसित होती भूमिका को रेखांकित किया।

डॉ. नीलिमा बुधानी के तकनीकी डिजाइन को 'भारत सरकार' से पंजीकरण

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी की असिस्टेंट प्रोफेसर (एसी) डॉ. नीलिमा बुधानी ने तकनीकी अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनके नेतृत्व में विकसित 'Integrated Computing and Software Engineering Device' के डिजाइन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा पंजीकरण प्रदान किया गया है।

यह उपकरण कंप्यूटिंग एवं सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग से संबंधित कार्यों के लिए एक एकीकृत एवं कॉम्पैक्ट कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य विभिन्न कंप्यूटिंग कार्यों को एक सुव्यवस्थित डिवाइस में समेकित कर तकनीकी एकीकरण और उपयोग-सुविधा को बढ़ावा देना है। इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय में अनुप्रयुक्त अनुसंधान, अंतर्विषयी नवाचार एवं प्रौद्योगिकी-आधारित अकादमिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने डॉ. नीलिमा बुधानी को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय में अनुसंधान एवं नवाचार की संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में 15 अगस्त 2026 को 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान से हुआ। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए स्वतंत्रता के साथ नागरिक दायित्वों को समझने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति, नए शैक्षणिक सहयोगों एवं 21वें वर्ष में प्रवेश का भी उल्लेख किया।

समारोह के दौरान हरित परिसर के संकल्प के साथ वृक्षारोपण किया गया। बहुउद्देशीय सभागार में विश्वविद्यालय के कुलगीत, वन्दे मातरम्, देशभक्ति गीतों एवं योग विभाग के शिक्षार्थियों की प्रस्तुतियों सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। राष्ट्रीय गीत 'वन्दे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय की पत्रिका 'उड़ान' एवं न्यूजलेटर का विमोचन किया। समाज कार्य विभाग की ओर से शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशांक शुक्ल एवं डॉ. अनिल कार्की ने किया।

PNB के CSR सहयोग से यूओयू में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

पंजाब नेशनल बैंक (PNB) के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) सहयोग से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी की सेंट्रल कंप्यूटर लैब को सुदृढ़ किया गया। इस पहल के तहत बैंक द्वारा कुल 30 कंप्यूटर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया, जिनमें से प्रथम चरण में 10 कंप्यूटर विश्वविद्यालय को प्रदान किए गए। कंप्यूटर लैब का उद्घाटन विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की। उन्होंने PNB के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक आधुनिक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है और नई कंप्यूटर सुविधाओं से शिक्षार्थियों को बेहतर डिजिटल लर्निंग सपोर्ट तथा शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में लाभ मिलेगा। मुख्य अतिथि PNB के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, देहरादून श्री अनुपम ने शिक्षा एवं तकनीक के माध्यम से शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने में संस्थागत सहयोग की भूमिका पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि मंडल प्रमुख, हल्द्वानी श्री सिद्धार्थ अधिकारी ने बैंक की CSR गतिविधियों की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के प्रो. जीतेन्द्र पाण्डे ने कहा कि PNB का सहयोग विश्वविद्यालय की डिजिटल अधोसंरचना को मजबूत करने में उपयोगी होगा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय एवं PNB के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शोध में नवाचार और सामाजिक प्रासंगिकता पर जोर

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशालय शोध एवं नवाचार द्वारा 18–19 अगस्त 2026 को दो दिवसीय शोध कार्यशाला एवं पीएच.डी. शोधार्थियों की छः माह की प्रगति समीक्षा आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य शोध की गुणवत्ता एवं सामाजिक प्रासंगिकता को बढ़ावा देने, शोधार्थियों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक शोध प्रवृत्तियों से परिचित कराने तथा अंतर्विषयक एवं नवाचारी शोध को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यशाला के प्रथम दिन महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में शोध की गंभीरता और शोधार्थियों की जिम्मेदारी पर बल दिया। उद्यमी एवं समाजसेवी श्री द्वारिका प्रसाद रतूड़ी ने 'Cross-Cultural Entrepreneurship and Global Strategy' पर बोलते हुए अनुशासन, तैयारी, व्यावसायिकता और विभिन्न संस्कृतियों से सीखने के महत्व को रेखांकित किया।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग तथा शोध परिणामों को जमीनी स्तर पर उपयोगी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। दूसरे दिन इंजीनियर नवीन पांगती ने 'Research Design and Systems Approach' के माध्यम से जटिल समस्याओं के समग्र समाधान में सिस्टम्स एप्रोच की भूमिका समझाई। आईसीएआर के डॉ. जे.सी. भट्ट ने कृषि अनुसंधान में नवाचार और तकनीक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पर्वतीय कृषि की चुनौतियों के समाधान में मोबाइल तकनीक, एआई एवं मशीन लर्निंग की संभावनाएं बताईं। जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने शोधार्थियों को स्वतंत्र एवं रचनात्मक चिंतन के साथ पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े रहते हुए शोध करने के लिए प्रेरित किया। शोध एवं नवाचार निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने शोध की गुणवत्ता, प्रभाव एवं सामाजिक उपयोगिता को बढ़ाने के लिए 'शोध प्रोत्साहन' पहल की घोषणा की। कार्यशाला के साथ विभिन्न विषयों के पीएच.डी. शोधार्थियों की छः माह की प्रगति प्रस्तुतियों की समीक्षा भी की गई।

वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, संस्कृत, शिक्षा, पर्यावरण विज्ञान एवं गणित सहित विभिन्न विषयों के शोधार्थियों को विशेषज्ञों एवं पर्यवेक्षकों से अकादमिक सुझाव प्राप्त हुए। दो दिवसीय आयोजन ने शोधार्थियों को विशेषज्ञ संवाद, अकादमिक मार्गदर्शन और अपने शोध कार्य के मूल्यांकन का अवसर प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय में अंतर्विषयक, नवाचारी एवं सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध संस्कृति को सुदृढ़ किया।

‘सशक्त मन एवं सशक्त परिवार’ पर केंद्रित रहा राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं NAPSWI, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 15–18 अगस्त 2026 तक 7वें राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह का आयोजन किया गया। ‘सशक्त मन एवं सशक्त परिवार’ की थीम पर आयोजित सप्ताह में मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक सहयोग, मनोसामाजिक देखभाल, परिवार परामर्श तथा सामाजिक कलंक से मुक्ति जैसे विषयों पर विभिन्न शैक्षणिक, जागरूकता एवं जनसंचार गतिविधियां आयोजित की गईं।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने शपथ ग्रहण तथा हस्ताक्षर अभियान में सहभागिता की। सप्ताह के दौरान सामुदायिक रेडियो ‘हैलो हल्द्वानी’ के माध्यम से पारिवारिक मुद्दों एवं संकटों में हस्तक्षेप, मनोसामाजिक देखभाल, समाज कार्य की भूमिका तथा वरिष्ठ नागरिकों की बदलती आवश्यकताओं जैसे विषयों पर विशेषज्ञ वार्ताएं प्रसारित की गईं। इसके अतिरिक्त UOU Live YouTube चैनल पर परिवार परामर्श में समाज कार्यकर्ताओं की भूमिका एवं मानसिक सुदृढ़ता से संबंधित वीडियो व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रमों का विस्तार विश्वविद्यालय परिसर से बाहर भी किया गया। देहरादून परिसर, राजकीय इंटर कॉलेज टनकपुर तथा रुद्रपुर में मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। जय शारदा जनकल्याण समिति, कुसुमखेड़ा में ‘सशक्त मन एवं सशक्त परिवार’ विषय पर विशेष आउटरीच कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बैनी सेना की महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता की और मानसिक एवं पारिवारिक

सशक्तिकरण से जुड़े अनुभव साझा किए। सप्ताह की गतिविधियों ने समाज कार्य की भूमिका को मानसिक स्वास्थ्य, परिवार एवं समुदाय के सशक्तिकरण से जोड़ते हुए सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। आयोजन की आगामी कड़ी में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के विशेषज्ञों की सहभागिता से ऑनलाइन वेबिनार भी आयोजित किया जा रहा है।

‘सशक्त मन, सशक्त परिवार’ पर ऑनलाइन सेमिनार आयोजित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा 7वें राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह के अंतर्गत ‘सशक्त मन, सशक्त परिवार’ विषय पर ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों, अंतरपीढ़ीगत जुड़ाव तथा बदलते सामाजिक परिवेश में परिवार की भूमिका पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। राज्यभर से समाज कार्य के 103 से अधिक शिक्षार्थियों ने सहभागिता की। NAPSWI के प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में परिवार की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए बदलती सामाजिक परिस्थितियों में परिवार को अधिक मानवीय एवं संतुलित बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा ने परिवार में संवाद, विश्वास और सहयोग को मानसिक स्वास्थ्य का आधार बताते हुए जुड़ाव, संवाद एवं रचनात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने सकारात्मक जीवनशैली, योग, ध्यान और रुचि-आधारित गतिविधियों को मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बताया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. तूलिका भट्टाचार्य ने अंतरपीढ़ीगत संबंधों एवं बुजुर्गों की देखभाल पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार भौगोलिक दूरी के बावजूद भावनात्मक रूप से जुड़े रह सकते हैं। उन्होंने डिमेंशिया से प्रभावित बुजुर्गों के साथ सम्मान, धैर्य और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने की आवश्यकता रेखांकित की। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने समाज कार्य विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण व्यक्ति और परिवार से ही संभव है। कार्यक्रम ने ‘सशक्त मन, सशक्त परिवार’ की अवधारणा को मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सशक्तिकरण से जोड़ते हुए परिवार की भूमिका को रेखांकित किया।

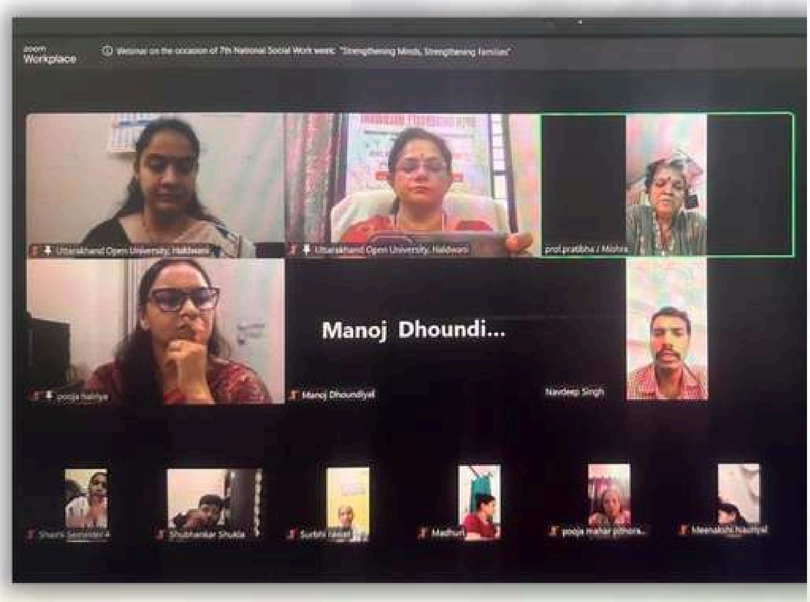

जून 2026 परीक्षा सत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल घोषित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में जून 2026 परीक्षा सत्र की परीक्षाएं 20 जुलाई से 27 अगस्त 2026 तक आयोजित की गईं। परीक्षा मूल्यांकन के अंतर्गत 17 अगस्त से केंद्रीय मूल्यांकन कार्य संचालित किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया के क्रम में 22 से 31 अगस्त 2026 तक विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल घोषित किए गए। इनमें बी.कॉम. अंतिम वर्ष, एम.एससी. गणित, एम.ए. संगीत, एम.ए. उर्दू तथा बैचलर ऑफ लाइब्रेरी साइंस के पूर्ण पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल शामिल हैं। इसके अतिरिक्त CCIKS, CGL-21, CME-17, CCOM-17, CCPR, CVDMM, CKL, CYS, DVK, CVK तथा DVAPFB सहित विभिन्न प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल भी घोषित किए गए। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, शेष पाठ्यक्रमों के प्रयोगात्मक एवं केंद्रीय मूल्यांकन का कार्य पूर्ण होने के साथ उनके परीक्षाफल भी चरणबद्ध रूप से घोषित किए जाएंगे।

'सूचना, संवाद और समाधान': यूओयू में प्रथम जन संवाद कार्यक्रम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों एवं हितधारकों के साथ पारदर्शी, सहभागी और त्वरित संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सूचना, संवाद और समाधान' की थीम पर प्रथम जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। 'शिक्षा, अवसर और विश्वास—मिलकर करें उत्कृष्ट विश्वविद्यालय का निर्माण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से हुआ तथा @UOULive के Facebook, Instagram एवं YouTube पर लाइव प्रसारित किया गया। विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी 91.2 FM' ने भी कार्यक्रम के संचालन एवं प्रसारण में सहभागिता की।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने उद्घाटन संबोधन में विश्वविद्यालय की विभिन्न सेवाओं एवं कार्यप्रणाली की जानकारी साझा करते हुए जन संवाद को शिक्षार्थियों के साथ खुले और भरोसेमंद संवाद का प्रभावी माध्यम बताया। कार्यक्रम में प्रवेश अनुभाग से डॉ. सुमित प्रसाद, क्षेत्रीय सेवा निदेशालय से प्रो. एम.एम. जोशी, अध्ययन सामग्री एवं अकादमिक निदेशालय से प्रो. पी.डी. पंत, परीक्षा अनुभाग से प्रो. सोमेश कुमार, शोध अनुभाग से प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्लेसमेंट सेल से डॉ. अखिलेश सिंह तथा पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा से प्रो. राकेश चन्द्र रयाल ने अपने-अपने विभागों की सेवाओं एवं शिक्षार्थियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण जन संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र रहा, जिसमें 'हैलो हल्द्वानी' के श्री अनिल नैलवाल एवं श्रीमती सोनू भट्ट ने शिक्षार्थियों के 27 से अधिक प्रश्न विशेषज्ञ पैनल के समक्ष रखे।

प्रश्न प्रवेश एवं लेटरल एंट्री, परीक्षा, पूर्व वर्षों के प्रश्न-पत्र, अध्ययन केन्द्र, अध्ययन सामग्री, प्लेसमेंट, शैक्षणिक कक्षाओं, शोध, नवीन पाठ्यक्रम एवं भुगतान संबंधी विषयों से जुड़े थे। नेपाल के शिक्षार्थियों की प्रवेश एवं शोध संबंधी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।

विशेषज्ञों ने शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट, FAQ तथा 'Student One View' पोर्टल का नियमित उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम के तकनीकी एवं मीडिया संचालन में विश्वविद्यालय की ICT एवं मीडिया टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तीन चरणों में प्रस्तावित इस जन संवाद श्रृंखला के आगामी दो चरण भी आयोजित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर यूओयू में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर 29 अगस्त को विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, शारीरिक फिटनेस तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिताओं में 100, 200, 400 एवं 1000 मीटर दौड़, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, रस्साकशी एवं शतरंज सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन एवं देश के प्रति योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व एवं टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम के लिए नैनीताल जिले से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का कैटेगरी-1 संस्थान के रूप में चयन विश्वविद्यालय के लिए गौरव की उपलब्धि है।

विभिन्न स्पर्धाओं में शिक्षार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थी वर्ग में 100 एवं 200 मीटर दौड़ में विक्रम सिंह, 400 एवं 1000 मीटर में दीपक पंत, शतरंज में सुमित बसेरा, शॉट पुट में कृष्णा महाराज तथा डिस्कस थ्रो में कमलेश धामी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महिला कर्मचारी वर्ग में मोनिका भदौरिया ने 100 एवं 200 मीटर दौड़ तथा डॉ. शालिनी चौधरी ने शॉट पुट एवं डिस्कस थ्रो में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पुरुष कर्मचारी वर्ग में डॉ. दीपक शर्मा ने 100 एवं 200 मीटर दौड़ तथा डॉ. एस.एस. कुंजवाल ने डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समापन अवसर पर कुलपति ने विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए और विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ खेलकूद को बढ़ावा देने को सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी को कुमाऊं विश्वविद्यालय का अतिरिक्त दायित्व

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी को कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल के कुलपति का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रो. लोहनी ने 1 सितंबर 2026 से यह जिम्मेदारी संभाली। यह दायित्व कुमाऊं विश्वविद्यालय में नियमित कुलपति की नियुक्ति होने तक अथवा अग्रेतर आदेश तक प्रभावी रहेगा।

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत के पद से अवमुक्त होने के अनुरोध के बाद राज्यपाल की स्वीकृति से प्रो. लोहनी को यह अतिरिक्त जिम्मेदारी प्रदान की गई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें कुमाऊं विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने तथा संस्थागत निरंतरता सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपा गया है। प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी वर्तमान में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का नेतृत्व कर रहे हैं। कुमाऊं विश्वविद्यालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ वे दोनों विश्वविद्यालयों में संस्थागत दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

यूओयू के शिक्षार्थी शिवम ढौंडियाल का सत्यार्थी फेलोशिप-2026 के लिए चयन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान (2024–26) के शिक्षार्थी शिवम ढौंडियाल का प्रतिष्ठित सत्यार्थी फेलोशिप-2026 के प्रथम बैच के लिए चयन हुआ। विश्व के 35 देशों से प्राप्त करीब 1,200 आवेदनों में से चयनित 25 युवा परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ताओं में शिवम शामिल हैं। फेलोशिप का आधिकारिक शुभारंभ 17 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में होगा।

एग्रोप्रेन्योर, पर्यावरणविद् एवं विकास पेशेवर के रूप में शिवम वर्ष 2015 से Naturorganics के माध्यम से हिमालयी जैव-संसाधनों के मूल्य संवर्धन, टिकाऊ कृषि, ग्रामीण उद्यमिता एवं वैकल्पिक आजीविका के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। उनके प्रयासों में हर्बल उत्पाद एवं खाद्य प्रसंस्करण, एग्रोफॉरेस्ट्री, कीवी उत्पादन, पॉलीहाउस कृषि तथा ग्रामीण युवाओं के लिए उद्यमिता विकास जैसे कार्य शामिल हैं। उनके कार्य हिमालयी क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों के सतत उपयोग और ग्रामीण आजीविका के अवसरों से जुड़े रहे हैं।

फेलोशिप के अंतर्गत चयनित 25 फेलो जयपुर स्थित बाल भवन में लगभग एक माह के आवासीय एवं सहभागी कार्यक्रम में विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के साथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा नेतृत्वकर्ताओं को सामूहिक सीख और अनुभव के माध्यम से अपने सामाजिक सरोकारों को प्रभावी कार्यों में बदलने का अवसर प्रदान करना है।

कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शिवम ढौंडियाल को बधाई देते हुए उनके चयन को विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि शिवम के पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण आजीविका और हिमालयी क्षेत्रों के सतत विकास से जुड़े प्रयास उनकी प्रतिबद्धता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि फेलोशिप के माध्यम से शिवम हिमालयी समाज की चुनौतियों और संभावनाओं को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ अन्य युवाओं को भी सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करेंगे।
विश्वविद्यालय परिवार ने भी शिवम को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की नींव : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में दिलाई गई शपथ

एंटी ड्रग सेल ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

● जनवाणी संवाददाता, हल्द्वानी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में रविवार को नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत नशामुक्ति जागरूकता एवं सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्यपाल सचिवालय, उत्तराखंड और भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के सामूहिक श्रवण और अवलोकन से हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्र निर्माण, युवा शक्ति और नशामुक्त भारत के संकल्प से जुड़े प्रधानमंत्री के विचारों को सुना।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने की। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का स्वस्थ, जागरूक और अनुशासित होना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय की एंटी ड्रग सेल के प्रभारी डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने युवाओं से योग, खेल और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने की अपील करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों और समाज में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके।

कार्यक्रम में डॉ. सीता, डॉ. जगमोहन और डॉ. दिनेश कांडपाल सहित एंटी ड्रग सेल के सदस्यों ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। योग विभाग के अध्यापकों और प्रशिक्षकों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।

समापन अवसर पर 50 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने नशामुक्त युवा विकसित भारत का संकल्प लेते हुए सामूहिक शपथ ग्रहण की। सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त उत्तराखंड और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

यूओयू और स्टेडियम में नशामुक्ति की शपथ ली

हल्द्वानी। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से चल रहे नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत रविवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की एंटी ड्रग सेल ने नशामुक्ति जागरूकता एवं सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहानी ने अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। वहां डॉ. भानु प्रकाश जोशी, डॉ. सीता, डॉ. जगमोहन, डॉ. दिनेश कांडपाल आदि थे। गौलापार स्टेडियम के खेलो इंडिया सेंटर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। वहां कोच तनुजा

शिक्षार्थी केंद्रित और कौशल आधारित बने शिक्षण व्यवस्था

यूओयू में विशेष व्याख्यान आयोजित

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एनसी गौतम ने कहा कि नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन तभी संभव है, जब शिक्षण व्यवस्था को शिक्षार्थी केंद्रित और कौशल आधारित बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में समाज के प्रति सकारात्मक सोच और परिवर्तन की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पांच प्रमुख स्तंभों का उल्लेख करते हुए बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों से उद्योगों के साथ समन्वय बढ़ाने, प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों का विस्तार करने तथा क्रेडिट आधारित अध्ययन सामग्री विकसित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्ता सुधार के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने पाठ्यक्रमों में कौशल विकास को और अधिक मजबूत बनाने तथा देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की नवाचारी पहलों को अपनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का संचालन सीआईक्यूए के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने किया, जबकि निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। व्याख्यान के बाद मुख्य अतिथि प्रो. एनसी गौतम ने विवि परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का संदेश भी दिया। इस दौरान प्रो. पीडी पंत, प्रो. रेणु प्रकाश, प्रो. दीगर फर्स्वाण सहित विवि के विभिन्न संकायों के निदेशक और शिक्षक मौजूद रहे।

यूओयू में मनेगा राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह

हल्द्वानी। यूओयू में राष्ट्रीय समाज कार्य सप्ताह 15 से 21 अगस्त तक मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य समाज कार्य के माध्यम से व्यक्तियों में भावनात्मक दृढ़ता लाना, परिवारों के बीच संवाद सुधारना और सामुदायिक सहयोग तंत्र को मजबूत करना है। कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज कार्य में स्नातकोत्तर के छात्र-शिक्षक, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं अन्य सामाजिक संस्थाएं सहभाग करेंगी। कार्यक्रम के आयोजन में समाज विज्ञान विद्याशाखा की निदेशक प्रो. रेनु प्रकाश, समाज कार्य विभाग की संयोजक डॉ. नीरजा सिंह, विभाग के शिक्षक कुशा सिंह और डॉ. पूजा हैडिया की अहम भूमिका रहेगी। संवाद

विद्यार्थी की जरूरत और विकास हो शिक्षा का केंद्र

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की ओर से सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं मुक्त व दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के पूर्व कुलपति प्रो. एनसी गौतम ने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल ज्ञान देना नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता विकसित करना भी है। शिक्षण को शिक्षार्थी केंद्रित बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हर शैक्षणिक पहल का केंद्र विद्यार्थी की जरूरत और समग्र विकास होना चाहिए। यहां कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, प्रो. गगन सिंह, प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे, प्रो. पीडी पंत, प्रो. रेणु प्रकाश, प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण आदि रहे। संवाद

उत्तराखंड मुक्त विवि के पाठ्यक्रम में शामिल होगी जौनसारी भाषा

अच्छी खबर

- जौनसार-बावर की लोकभाषा को उच्च शिक्षा से जोड़ने की पहल शुरू
- साहिया में उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने की घोषणा

साहिया, संवाददाता। जौनसार-बावर की लोकभाषा और सांस्कृतिक पहचान को उच्च शिक्षा से जोड़ने की दिशा में उत्तराखंड मुक्त विवि महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। विवि के पाठ्यक्रमों में जल्द ही जौनसारी बोली-भाषा का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसे नए शिक्षा सत्र से शुरू करने की तैयारी है।

यह घोषणा उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने शुक्रवार को साहिया में आयोजित [illegible] शिक्षा आयोग के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में की। बताया कि जौनसारी भाषा में पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। पाठ्यक्रम शुरू होने से जौनसार-बावर की लोकभाषा, लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में गढ़वाली और कुमाऊंनी सहित अन्य स्थानीय भाषाओं में पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जौनसारी को भी उच्च शिक्षा के पटल से जोड़ना क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में अहम कदम होगा। कार्यक्रम के दौरान [illegible] पत्रिका जौनसार [illegible] का लोकार्पण भी किया। इस दौरान डॉ. सुभाष रमोला, डॉ. [illegible] सिंह [illegible], डॉ. [illegible] कुमार, डॉ. [illegible], डॉ. [illegible], अर्जुन सिंह तोमर, [illegible] सिंह, [illegible] सिंह, [illegible] सिंह नेगी मौजूद रहे।

लैब का उद्घाटन करते कुलपति नवीन चंद्र लोहनी और पीएनबी के अधिकारी ● सौ. विवि

पीएनबी के सहयोग से यूओयू को मिले 10 कंप्यूटर

हल्द्वानी : पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) की सेंट्रल कंप्यूटर लैब को 10 कंप्यूटर उपलब्ध कराए। इस अवसर पर मंगलवार को विश्वविद्यालय में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन समारोह हुआ। पीएनबी ने सीएसआर के तहत यूओयू को 30 कंप्यूटर देने का आश्वासन दिया है। शेष 20 कंप्यूटर आगामी चरणों में उपलब्ध कराए जाएंगे। कुलपति प्रो. नवीन लोहनी ने इस मदद के लिए पीएनबी का धन्यवाद किया। इस दौरान देहरादून महाप्रबंधक (अंचल प्रमुख) अनुपम, उपमहाप्रबंधक (मंडल प्रमुख) सिद्धार्थ अधिकारी, कुलसचिव खेमराज भट्ट, प्रो. जीतेन्द्र पांडे, दीप चंद्र, बबीता कांडपाल, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. रेनू प्रकाश, प्रो. राकेश रयाल, प्रो. अरविंद भट्ट, प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट आदि मौजूद रहे। (जासं)

मीडिया की सुर्खियों में विश्वविद्यालय

जौनसारी बोली में जल्द शुरू होगा सर्टिफिकेट कोर्स : कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी

मुख्य संवाद

साहिया। जौनसार-बावर क्षेत्र के छात्रों के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में जल्द ही जौनसारी बोली-भाषा को शामिल किया जाएगा। यह जानकारी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज, साहिया में आयोजित उच्च शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दी।

कुलपति प्रो. लोहनी ने बताया कि विश्वविद्यालय में जौनसारी भाषा में पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर कार्य चल रहा है। पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद इसे जनवरी 2027 या जुलाई 2027 के सत्र से शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में गढ़वाली और कुमाऊंनी सहित अन्य स्थानीय भाषाओं में पाठ्यक्रम पहले से संचालित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जौनसारी भाषा में पाठ्यक्रम शुरू होने से क्षेत्र की स्थानीय बोली, लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को नई दिशा मिलेगी। यह पहल जौनसार-बावर की सांस्कृतिक पहचान को उच्च शिक्षा से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रो. लोहनी ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक उच्च शिक्षा पहुंचाना है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति किसी भी उम्र में अपनी पढ़ाई जारी रख सकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय छात्रों की सुविधा को प्राथमिकता दे रहा है। प्रवेश के बाद छात्रों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के साथ अब डिजी भी डाक के माध्यम से उनके घर तक पहुंचाई जा रही है। इस अवसर पर डॉ. राकेश चन्द्र रयाल ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी दी। साहिया कॉलेज के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर ने विशेष अध्ययन केंद्र के माध्यम से छात्रों को मिल रहे शैक्षणिक अवसरों की जानकारी दी। सामाजिक कार्यकर्ता भारत चौहान ने जौनसारी भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के निर्णय को सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि इससे बोली-भाषा के संरक्षण को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में डॉ. सुभाष रमोला, डॉ. गोविंद सिंह रावत, डॉ. रवि कुमार, डॉ. प्रियंका जायसवाल, डॉ. रेनु राणा, अर्जुन सिंह तोमर, सरदार सिंह, वीरेंद्र रावत, केशव सिंह, कमल सिंह नेगी, सुनील शर्मा, अमित चौहान, सुरेश चौहान, नितिन तोमर, मनीष चौहान, अंकित, पालिका, पूजा, सोनिया, रक्षिता सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया 'जौनसार दर्पण' समाचार पत्रिका का लोकार्पण

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज, साहिया की वार्षिक समाचार पत्रिका जौनसार दर्पण का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पत्रिका के प्रकाशन की सराहना करते हुए कहा कि जौनसार दर्पण महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं अन्य गतिविधियों को समाज तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी पत्रिकाएं छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ महाविद्यालय की उपलब्धियों को भी व्यापक पहचान प्रदान करती हैं।

बीकाम, बीबीए और बीसीए में शुरू होंगे चार वर्षीय कोर्स

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में स्नातक कोर्स नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत चल रहे हैं। इसे वर्ष 2023 में लागू किया गया था। वर्तमान में योग को छोड़ अन्य पाठ्यक्रम तीन वर्षीय व्यवस्था में चल रहे हैं। लेकिन, अब यूओयू प्रशासन चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम की ओर कदम बढ़ाने की योजना बना रहा है। जिसमें बीकाम, बैचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए), बैचलर आफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (बीसीए) और बैचलर आफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (बीटीटीएम) चार वर्षीय कोर्स के रूप में संचालित करने की तैयारी है।

> यूजीसी-डीईबी में हर पांच साल में कोर्सों के लिए आवेदन करना होता है। बीकाम, बीबीए, बीसीए व बीटीटीएम में चार वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करने को अगले वर्ष आवेदन करने पर विचार चल रहा है। - प्रो. पीडी पंत, निदेशक अकादमिक

प्रवेश होंगे। लेकिन, अगले-सत्र से नई व्यवस्था के तहत पाठ्यक्रम प्रारंभ होने की उम्मीद है। इसके लिए यूओयू प्रशासन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो में आवेदन की योजना बना रहा है।

दून पब्लिक आई. टी. आई
भारत सरकार DGET एवं NCVT श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

यूओयू में नए साल से सीखें विदेशी भाषाएं

हल्द्वानी। यूओयू में नया साल विद्यार्थियों के लिए विदेशी भाषा सीखने के नए अवसर लेकर आ रहा है। जनवरी सत्र से स्पेनिश और जर्मन भाषा के कोर्स शुरू करने जा रहा है। विवि स्तर पर तैयारियां तेजी से शुरू कर दी गई हैं। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने बताया कि सरल पाठ्यक्रम से छात्र आसानी से इन्हें सीख सकें।

मुक्त विवि में होगी एआई आधारित मीडिया की पढ़ाई

प्राचीन भारतीय संचार व्यवस्था भी पढ़ाई जाएगी, पाठ्यक्रम का हुआ पुनर्गठन

[illegible]

उत्तराखंड मुक्त विवि खोलेगा नए अध्ययन केंद्र

- 45वीं कार्य परिषद की बैठक में शैक्षणिक विस्तार, भर्ती प्रक्रिया छात्रवृत्ति योजना पर लगी मुहर
- कुलपति ने कहा, इन निर्णयों से संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) की 45वीं कार्य परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय के विस्तार और शैक्षणिक गुणवत्ता को नई गति देने वाले कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिल गई। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नए व विशेष अध्ययन केंद्रों की स्थापना के साथ ही व्यक्तिगत छात्रवृत्ति योजना के क्रियान्वयन, अस्थायी सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अकादमिक सुधारों जैसे अहम प्रस्तावों पर कार्य परिषद ने अपनी संस्तुति प्रदान की। बैठक में 45वीं कार्य परिषद ने केंद्रीय मूल्यांकन संचालन के लिए मानदेय निर्धारण, सामुदायिक रेडियो अनुबंध में कार्मिकों के चयन, पुनर्नियोजन से जुड़े मामलों तथा 35वीं एवं 36वीं विद्या परिषद में पारित प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। विद्या परिषद की संस्तुतियों के तहत शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को मजबूत करने, परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली में सुधार तथा नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अकादमिक बदलावों को भी स्वीकृति मिली।

कुलपति प्रो. लोहनी का मानना है कि इन फैसलों से संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता और संस्थागत विकास को नई दिशा मिलेगी। बैठक में ब्राह्य सदस्य एवं हिमालयन पीपल आफ जस्टिस एंड इक्विटी के अध्यक्ष रमेश चन्द्र सिजवाली आनलाइन शामिल हुए, जबकि प्रो. कौशल[illegible], प्रो. [illegible] रावत, प्रो. [illegible] और उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव मनोज [illegible] आनलाइन जुड़े।

यूओयू की 45वीं कार्य परिषद की बैठक लेते कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी। सौ. यूओयू

मीडिया की सुर्खियों में विश्वविद्यालय

शोध की गुणवत्ता, नवाचार और तकनीकी दृष्टिकोण पर मंथन

यूओयू में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

[illegible] संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय शोध कार्यशाला में शोध की गुणवत्ता, नवाचार और तकनीकी दृष्टिकोण पर मंथन हुआ। 18 और 19 अगस्त को शोध एवं नवाचार निदेशालय की ओर से आयोजित कार्यशाला के साथ पीएचडी शोधार्थियों की छह-माह की प्रगति समीक्षा भी की गई।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत सुहानी शर्मा की प्रस्तुति और संगीत विभाग के सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई। शोध एवं नवाचार निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे ने शोध की गुणवत्ता, सामाजिक प्रासंगिकता और प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने शोधार्थियों के लिए शोध प्रोत्साहन पहल की घोषणा भी की। तकनीकी सत्र में इंजीनियर नवीन पांगती ने रिसर्च डिजाइन एंड सिस्टम्स एप्रोच विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने जटिल समस्याओं के समाधान में सिस्टम्स एप्रोच, बाइनरी और स्पेक्ट्रम थिंकिंग की भूमिका समझाई। साथ ही उत्तराखंड की स्थानीय कला परंपराओं और आधुनिक शोध पद्धतियों के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। आईसीएआर के डा. जेसी भट्ट ने बदलते समय में कृषि अनुसंधान : चुनौतियां, नवाचार एवं भविष्य की संभावनाएं विषय पर कृषि अनुसंधान में तकनीक की भूमिका बताई। उन्होंने वर्तमान कृषि की चुनौतियों के समाधान के लिए [illegible], आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के उपयोग पर जोर दिया। मुख्य अतिथि जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने शोधार्थियों से पारंपरिक ज्ञान की सीमाओं से आगे बढ़कर स्वतंत्र और रचनात्मक सोच के साथ शोध करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के साथ अपनी जड़ों और मूल ज्ञान प्रणालियों [illegible] यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने शोधार्थियों को वैश्विक स्तर पर उभरती शोध प्रवृत्तियों से परिचित होने और अपने शोध की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता को अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण से मजबूत करने पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन उप निदेशक डा. [illegible] ने किया। कार्यशाला के बाद पीएचडी शोधार्थियों की छह माह की प्रगति समीक्षा हुई। वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, संस्कृत, शिक्षा, पर्यावरण विज्ञान और गणित सहित विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने अपने शोध कार्यों की प्रगति प्रस्तुत की।

शोध निदेशकों और पर्यवेक्षकों ने शोध पद्धति, दिशा और आगामी कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए आवश्यक अकादमिक सुझाव दिए। कार्यशाला के माध्यम से शोधार्थियों को विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों से संवाद, नए शोध दृष्टिकोण सीखने और अपने शोध कार्यों का अकादमिक मूल्यांकन कराने का अवसर मिला।

यूओयू में दो दिवसीय शोध कार्यशाला शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि के शोध एवं नवाचार विभाग की ओर से पीएचडी शोधार्थियों की छमाही प्रगति समीक्षा के लिए दो दिवसीय शोध कार्यशाला बुधवार को शुरू हुई।

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. संजीव शर्मा ने पीएचडी को बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए गंभीरता से शोध करने की बात कही। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी और शोध निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने एआई का प्रयोग कॉपी-पेस्ट के बजाय शोध की गुणवत्ता सुधारने में करने की अपील की। वहीं अभिनेता द्वारिका प्रसाद रतूड़ी ने अनुशासन और संस्कृति से जुड़ाव पर

यूओयू में खुली हाई-टेक कंप्यूटर लैब

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को पीएनबी की सीएसआर पहल के तहत स्थापित सेंट्रल कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि पीएनबी दून के महाप्रबंधक अनुपम, हल्द्वानी के उपमहाप्रबंधक सिद्धार्थ अधिकारी रहे। पीएनबी की ओर से सीएसआर पहल के तहत विवि को 30 कंप्यूटर प्रदान करने का आश्वासन दिया है, जिसके पहले चरण में 10 कंप्यूटर उपलब्ध करा दिए हैं। यहां कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, कुलसचिव खेमराज भट्ट, सहायक

यूओयू में शोधार्थियों ने पेश की छमाही प्रगति रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के शोध एवं नवाचार निदेशालय की ओर से मंगलवार को सीडीएस जनरल बिपिन रावत सभागार में दो दिवसीय शोध कार्यशाला की शुरुआत हुई। इसमें पीएचडी शोधार्थियों की छमाही प्रगति की समीक्षा की जा रही है।

कार्यशाला में बोलते कुलपति प्रो. नवीन चंद लोहनी • सौ. विवि

उद्घाटन सत्र में शोध निदेशक प्रो. [illegible] विश्वविद्यालय) ने 'इमर्जिंग डायमेंशन्स आफ सोशल साइंस रिसर्च' पर विचार रखते हुए कहा कि पीएचडी तक पहुंचना एक बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए शोध का वास्तविक महत्व समझना आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि द्वारिका प्रसाद रतूड़ी (उद्यमी और अभिनेता) ने अनुशासन, समय की पाबंदी और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की अपील की।

शोध की गुणवत्ता, नवाचार और तकनीकी दृष्टिकोण पर केंद्रित रहा यूओयू का दो दिवसीय शोध कार्यशाला

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के शोध एवं नवाचार निदेशालय द्वारा 18-19 अगस्त को दो दिवसीय शोध कार्यशाला एवं पीएचडी शोधार्थियों की छह माह की प्रगति समीक्षा आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य शोध की गुणवत्ता एवं प्रासंगिकता बढ़ाने, राष्ट्रीय एवं वैश्विक शोध प्रवृत्तियों से शोधार्थियों को परिचित कराने तथा अंतर्विषयक एवं नवाचारी शोध को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दूसरे दिन शुभारंभ सुहानी शर्मा की प्रस्तुति एवं संगीत विभाग के सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुआ। शोध एवं नवाचार निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाँडेय ने शोध की गुणवत्ता, सामाजिक प्रासंगिकता और प्रभाव बढ़ाने पर जोर देते हुए शोधार्थियों के लिए 'शोध प्रोत्साहन' पहल की घोषणा की।

तकनीकी सत्र में इंजीनियर नवीन पांगती ने 'रिसर्च डिजाइन एंड सिस्टम्स एप्रोच' विषय पर व्याख्यान देते हुए जटिल समस्याओं के समग्र समाधान में सिस्टम्स एप्रोच, बाइनरी एवं स्पेक्ट्रम थिंकिंग की भूमिका समझाई। उन्होंने उत्तराखण्ड की स्थानीय कला परंपराओं और आधुनिक शोध पद्धतियों के बीच संबंध को भी रेखांकित किया। आईसीएआर के डॉ. जे.सी. भट्ट ने 'बदलते समय में कृषि अनुसंधान - चुनौतियां, नवाचार एवं भविष्य की संभावनाएं' विषय पर कृषि अनुसंधान, हरित क्रांति में आईसीएआर की भूमिका तथा

जैसी तकनीकों के उपयोग की आवश्यकता बताई।

मुख्य अतिथि जी.बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शिवेंद्र कुमार कश्यप ने शोधार्थियों से पारंपरिक ज्ञान की सीमाओं से आगे बढ़कर स्वतंत्र एवं रचनात्मक चिंतन के साथ शोध करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास के साथ अपनी जड़ों और मूल ज्ञान प्रणालियों से जुड़ाव बनाए रखना आवश्यक है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने अध्यक्षीय संबोधन में वैश्विक स्तर पर हो रहे शोध एवं उभरती शोध प्रवृत्तियों से परिचित होने तथा शोध की

उपरांत पीएचडी शोधार्थियों की छह माह की प्रगति समीक्षा की गई। वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, संस्कृत, शिक्षा, पर्यावरण विज्ञान एवं गणित सहित विभिन्न विषयों के शोधार्थियों ने अपने शोध कार्य की प्रगति प्रस्तुत की। संबंधित शोध निदेशकों एवं पर्यवेक्षकों ने शोधार्थियों के कार्य, शोध पद्धति, दिशा एवं आगामी कार्ययोजना की समीक्षा कर आवश्यक अकादमिक सुझाव दिए। दो दिवसीय आयोजन ने शोधार्थियों को विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों से संवाद, नवाचारी शोध दृष्टिकोण तथा अपने शोध कार्य के अकादमिक मूल्यांकन का अवसर प्रदान

मीडिया की सुर्ख़ियों में विश्वविद्यालय

पुस्तकें ही होती हैं हमारी सच्ची मित्र : प्रो. लोहनी

विज्ञप्ति, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर बुधवार को कार्यक्रम हुआ। भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डाक्टर एसआर रंगनाथन को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि पुस्तकें ही हमारी सच्ची मित्र होती हैं। ज्ञान के साथ ही मार्गदर्शन भी प्रदान करती हैं। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. अरविंद भट्ट ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी शिक्षण संस्था का हृदय होता है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि शिक्षा, अनुसंधान, ज्ञान-सृजन एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां प्रो. राकेश रायल, प्रीति शर्मा, डाक्टर मनोज पांडे, डाक्टर राकेश पंत, डाक्टर ईशा आदि रहे।

यूओयू में मनाया पुस्तकालय दिवस

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में डॉ. एसआर रंगनाथन की 134वीं जयंती पर 'राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस' मनाया गया। शुभारंभ कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहानी ने दीप प्रज्वलित कर और 'लाइब्रेरी थॉट वॉल' की शुरुआत करके किया। प्रो. अरविंद भट्ट और प्रीति शर्मा ने रंगनाथन के योगदान को याद करते हुए पुस्तकालयाध्यक्षों को शिक्षकों का शिक्षक बताया। इस मौके पर आयोजित ऑनलाइन लाइब्रेरी साइंस क्विज़ में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. राकेश रायल आदि मौजूद रहे।

यूओयू में लागू होगी स्वामी विवेकानन्द ई-पुस्तकालय योजना

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में हुई 36वीं विद्या परिषद की बैठक • सौ. यूओयू

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की 36वीं विद्यापरिषद की बैठक शुक्रवार को कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई। बैठक में कार्यसूची के सभी 19 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। बैठक में यूजीसी-डीईबी से प्राप्त मान्यता के आधार पर बीएड (ओडीएल) और बैचलर आफ लाइब्रेरी एंड इन्फार्मेशन साइंस कार्यक्रमों के संचालन, नेपाली विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया, शोधार्थियों को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में सहभागिता के लिए प्रायोजन नीति और पीएचडी प्रवेश व्यवस्था से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। साथ ही 'स्वामी विवेकानन्द उत्तराखण्ड ई-पुस्तकालय योजना', शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पुरानी अध्ययन सामग्री का निश्शुल्क वितरण आदि का अनुमोदन भी किया गया। बैठक [illegible]

यूओयू की डॉ. नीलिमा के डिजाइन को मिला पेटेंट

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि के कंप्यूटर साइंस एवं आईटी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. नीलिमा बुधानी के नेतृत्व में विकसित 'इंटीग्रेटेड कम्प्यूटिंग एंड सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग डिवाइस' के डिजाइन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से पंजीकरण मिला है। यह उपकरण कंप्यूटिंग और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग कार्यों के लिए एकीकृत व कॉम्पैक्ट प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। इस पर कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी समेत पूरे विवि परिवार ने खुशी जताई।

वैज्ञानिकों के तार रहित संजाल विस्तार यंत्र को सरकारी मान्यता

रंजू जोशी पांडे

हल्द्वानी। उत्तराखंड के दूरस्थ गांवों में नेटवर्क की समस्या दूर करने के लिए हल्द्वानी और देहरादून के विश्वविद्यालयों की संयुक्त शोध टीम ने तार रहित संजाल विस्तार यंत्र विकसित किया है। भारत सरकार ने इसे रूपांकन अधिनियम, 2000 के तहत पंजीकृत कर मान्यता दी है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की सहायक प्राध्यापक रंजू जोशी पांडे ने यंत्र का नमूना तैयार किया। उन्होंने टीम के साथ दो वर्षों तक शोध किया। पांडे ने बताया कि यह यंत्र कम लागत में मौजूदा संकेत को आगे बढ़ाकर उन क्षेत्रों को जोड़ेगा जहां संचार स्तंभ लगाना संभव नहीं है। विश्वविद्यालय इसे 500 से अधिक नेटवर्क विहीन गांवों में लगाने की योजना पर काम कर रहा है। संवाद

नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में संचार के वायरलेस डिजाइन को मिला पेटेंट

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और श्रीदेव सुमन [illegible] विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के शोधकर्ताओं ने संयुक्त रूप से [illegible] डिजाइन बनाया है, जो दुर्गम और पर्वतीय क्षेत्रों के नेटवर्क विहीन इलाकों में बेहतर संचार के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। [illegible]

[illegible]

[illegible]

यूओयू में शुक्रवार को 36वीं विद्यापरिषद की बैठक में चर्चा करते कुलपति एवं अन्य।

यूओयू में शुक्रवार को 36वीं विद्यापरिषद की बैठक में चर्चा करते कुलपति एवं अन्य।

नेपाली छात्रों के पीएचडी में प्रवेश की नई व्यवस्था मंजूर

यूओयू की 46वीं कार्य परिषद की बैठक संपन्न

शैक्षणिक गतिविधियों और संस्थागत विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास

45वीं कार्य परिषद की बैठक की कार्यवाही का भी किया अनुमोदन

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की 46वीं कार्य परिषद की बैठक मंगलवार को विश्वविद्यालय अतिथि गृह में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में विश्वविद्यालय के प्रशासन, शैक्षणिक गतिविधियों और संस्थागत विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर उन्हें संस्तुति प्रदान की गई। बैठक में सबसे पहले 45वीं कार्य परिषद की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि तथा उस पर की गई कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। के क्रियान्वयन, विभिन्न विषयों में अस्थायी सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति, सामुदायिक रेडियो अनुभाग में कार्मिकों के चयन, पुनर्नियोजन से जुड़े मामलों तथा केंद्रीय मूल्यांकन कार्य के लिए मानदेय निर्धारण सहित अधिकांश प्रस्तावों को कार्य परिषद की संस्तुति मिली।

बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने, परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था में सुधार तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विभिन्न अकादमिक सुधारों से जुड़े प्रस्ताव शामिल रहे। कार्य परिषद ने माना कि इन निर्णयों से विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा शैक्षणिक गुणवत्ता ऑफलाइन शामिल हुए। वहीं कुमाऊं विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बीएस राजपूत, पंजाब विश्वविद्यालय की प्रो. योजना रावत, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की प्रो. शची शाह तथा उच्च शिक्षा विभाग के अपर सचिव मनोज गोयल ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। विश्वविद्यालय की ओर से

प्रवेश 01 जुलाई 2026 से प्रारम्भ

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम

UGC-DEB, RCI, AICTE, NCVET, NCTE आदि द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रम

स्नातक डिग्री कार्यक्रम

बी.ए., बी.ए. (स.), बी.कॉम., बी.सी.ए., बी.ए. (ऑनर्स), बी.एससी., बी.एड. (विशेष शिक्षा) आदि।

स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम

एम.ए., एम.एससी., एम.कॉम., एम.सी.ए., एम.ए. (पत्रकारिता), एम.ए. (समाजशास्त्र), एम.ए. (योग), एम.एसडबल्यू., एम.ए. (राजनीतिं विज्ञान), एम.ए. (विशेष शिक्षा), एम.एल.आई.एस. आदिं।

डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम

पत्रकारिता एवं जनसंचार, गढ़वाली, कुमाउँनी, नेपाली, आरटीआई, साइबर सिक्योरिटी, एच.आर., फुड प्रोसेसिंग, डिजिटल मार्केटिंग, भारतीय ज्ञान परंपरा, असिस्टेंट हेल्थ केयर मैनेजर (NCVET द्वारा मान्यता प्राप्त) आदि।

संपादकीय - मंडल

प्रधान संपादक - प्रो. राकेश चंद्र रयाल

संपादक - डॉ. शशांक शुक्ल

सहायक संपादक - श्री विनायक तिवारी, सुश्री हर्षिता मेहता

डिज़ाइनर - श्री विनायक तिवारी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे, तीनपानी बाईपास, हल्द्वानी-263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड

Admission QR Code

हमसे जुड़ें :-

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM